कुनो राष्ट्रीय उद्यान

चर्चा में क्यों?

17 मार्च, 2025 को मध्य प्रदेश के कुनो राष्ट्रीय उद्यान (KNP) के जंगल में एक मादा चीता और उसके चार शावकों को छोड़ा गया।

- जिससे KNP में चीतों की कुल संख्या 26 हो गई है, जिनमें भारत में जन्मे 14 शावक भी शामिल हैं।

मुख्य बिंदु

- **कुनो राष्ट्रीय उद्यान**
  - कूनो राष्ट्रीय उद्यान मध्य प्रदेश में एक **संरक्षित क्षेत्र** है, जिसे सन् 2018 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा दिया गया था।
  - इसकी स्थापना सन् 1981 को एक वन्यजीव अभयारण्य के रूप में की गई थी।
  - यह राज्य के **श्योपुर और मुरैना** ज़िलों में विस्तारित है।
  - कुनो राष्ट्रीय उद्यान **नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका** से स्थानांतरित किये गए चीतों का पर्यावास है।
- **चीता स्थानांतरण परियोजना**
  - भारत में चीता पुनः वापसी परियोजना औपचारिक रूप से **17 सितंबर, 2022** को प्रारंभ की गई, जिसका उद्देश्य देश में **चीतों की आबादी** को बहाल करना था, जिन्हें **वर्ष 1952 में देश में विलुप्त घोषित** कर दिया गया था।
  - यह परियोजना राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) द्वारा **मध्य प्रदेश वन विभाग**, भारतीय वन्यजीव संस्थान (WII) तथा नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका के चीता विशेषज्ञों के सहयोग से कार्यान्वित की गई है।
- **महत्त्व**
  - **चीतों की पुनर्वापसी** से पारिस्थितिकीय तंत्र मज़बूत होगा और ग्रासलैंड इकोसिस्टम पुनर्जीवित होगा, जो अन्य जीवों के लिये भी लाभकारी होगा।
  - जैवविविधता संरक्षण और खाद्य शृंखला में संतुलन स्थापित होने में सहायता मिलेगी।
  - **पर्यटकों की संख्या में वृद्धि और रोज़गार के अवसर** सृजित होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

//

चीता (Cheetah)

सामान्य नाम: एशियाई चीता

वैज्ञानिक नाम: *एसिनोनिक्स जुबेटस (Acinonyx jubatus)*

- *एसिनोनिक्स जुबेटस जुबेटस* (एशियाई चीता)
- *एसिनोनिक्स जुबेटस वेनाटिकस* (अफ्रीकी चीता)

विशेषताएँ:

- विश्व का सबसे तेज दौड़ने वाला स्तनधारी
- चीते अपनी क्षमता के बजाय गति के लिये जाने जाते हैं; जब ये अपने शिकार का पीछा करते हैं तो यह केवल **200-300** मीटर के लिये तथा **1** मिनट से कम अवधि का होता है।
- शेर, लकड़बग्घे और तेंदुए जैसे अन्य शक्तिशाली शिकारियों से प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिये चीते मुख्य रूप से दिन के दौरान शिकार करते हैं।

अफ्रीकी चीता बनाम एशियाई चीता:

- **अफ्रीकी:** हल्के भूरे और सुनहरे रंग की **त्वचा; एशियाई चीते से मोटी**
  - ***चेहरों पर धब्बों तथा रेखाओं की प्रधानता***
  - *पूरे अफ्रीका महाद्वीप में पाए जाते हैं*
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* सुभेद्य (Vulnerable)**
- **एशियाई:** अफ्रीकी चीतों से थोड़े छोटे
  - ***हल्के पीले रंग की त्वचा: शरीर के नीचे विशेष रूप से पेट पर अधिक बाल***
  - ***केवल ईरान में पाए जाते हैं;*** *देश द्वारा यह दावा किया जाता है कि अब यहाँ केवल **12** चीते शेष हैं।*
- **वर्ष 1952:** एशियाई चीता को **आधिकारिक रूप से भारत से विलुप्त** घोषित किया गया
  - ***IUCN रेडलिस्ट में स्थिति:* घोर संकटग्रस्त (Critically Endangered)**

एशियाई चीता

अफ्रीकी चीता

भारत में चीतों का पुनर्वास:

- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) की 19वीं बैठक में MoEF-CC** द्वारा **"भारत में चीता पुनर्वास के लिये कार्ययोजना"** जारी की गई थी। (जनवरी **2022**)
  - *इसी तरह की एक कार्ययोजना सर्वप्रथम वर्ष **2009** में प्रस्तावित की गई थी।*
- सितंबर **2022** में **नामीबिया से आठ चीतों को भारत में पुनर्वास हेतु लाया गया।**
  - *इन आठ चीतों को **मध्यप्रदेश के कुनो-पालपुर राष्ट्रीय उद्यान** में स्थानांतरित किया जाएगा।*
- नामीबिया से भारत में चीतों का स्थानांतरण **विश्व भर में किसी बड़े मांसाहारी जानवर की पहली स्थानांतरण परियोजना है।**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kuno-national-park-9